## बिहार विधान परिषद् से प्राप्त संदेश।

### MESSAGES RECEIVED FROM THE BIHAR LEGISLATIVE COUNCIL.

**SECRETARY TO ASSEMBLY :** Sir, the following messages have been received from the Bihar Legislative Council :—

(1) The Bihar Legislative Council at its meeting held yesterday considered and passed without any recommendation the Bihar Finance Bill, 1952.

(2) The Bihar Legislative Council at its meeting held yesterday considered and passed without any recommendation the Bihar Aprropriation (Vote on Account) Bill, 1952.

(3) The Bihar Legislative Council at its meeting held yesterday agreed without any amendment to the Bihar School Examination Board Bill, 1952.

---

## श्री मोइनुद्दीन अहमद खां की ६० दिन से अधिक अनुपस्थिति पर विचार।

### ABSENCE OF SHRI MOINUDDIN AHMAD KHAN FROM THE MEETINGS OF THE ASSEMBLY FOR MORE THAN SIXTY DAYS.

माननीय अध्यक्ष—माननीय सदस्यगण,

मुझे आपको यह सूचना देनी है कि बिहार विधान सभा नियमावली के नियम ५४ के उप-नियम (५) के अधीन और संविधान के अनुच्छेद १९० के खंड (४) में बतायी गई रीति से गिनती करने पर श्री मोइनुद्दीन अहमद खां इस विधान-सभा के अधिवेशनों से, सदन की अनुमति के बिना ६० दिनों से अधिक अनुपस्थित रहे हैं और सभा के उपर्युक्त नियम के उपनियम (१) के अनुसार उनकी अनुपस्थिति की अनुमति के लिये कोई आवेदन-पत्र भी प्राप्त नहीं हुआ है। अब सभा को यह विचार करना है कि इनके स्थान को रिक्त घोषित किया जाय या नहीं। सभा की क्या राय है? क्या इनका स्थान सभा रिक्त करना चाहती है?

कई माननीय सदस्य—अब उनका स्थान क्या रिक्त घोषित किया जायेगा? लेट हिम डाई ए नेचुरल डेथ।

माननीय अध्यक्ष—अच्छी बात है। उनका स्थान रिक्त घोषित नहीं किया जाता है।

---

## सत्रावसान के सम्बन्ध में माननीय अध्यक्ष का वक्तव्य।

### OBSERVATION OF HON'BLE THE SPEAKER REGARDING THE TERMINATION OF THE SESSION.

माननीय अध्यक्ष—अब मुझे सदन को एक सूचना देनी है। ३१ मार्च को इस सभा का सत्र समाप्त हो जायेगा। उस दिन माननीय सदस्यों को सुविधा होगी यदि बैठक सुबह में हो। माननीय मुख्य मंत्री का सदन में रहना आवश्यक है और उनको भी यहां पर ९ बजे आने में सुविधा होगी, इसलिए उस दिन की बैठक ९ बजे से शुरू होगी।

सभा सोमवार, तिथि ३१ मार्च, १९५२ को ९ बजे तक स्थगित की गई।

बि० रा० मु० (एल०ए०) ५१(ए)—७९४+१—मोनो—२९-७-१९५३—दी०सिंह

(*d*) It is not a fact that sufficient water used to be accumulated in this tank for irrigation of the neighbouring lands. The tank had been filled up and did not meet requirements of the neighbouring fields.

(*e*) The question does not arise.

---

FAILURE OF CROPS IN MANBHUM.

*163. **Shri DEBENDRA NATH MAHATA :** Will the Hon'ble the Minister, incharge of Revenue Department, be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that most of the areas in Manbhum have been affected mostly due to the failure of crops for the last two consecutive years;

(*b*) if the answer of clause (*a*) be in the affirmative whether Government propose to take immediate relief measures, if so what?

**The Hon'ble Shri KRISHNA BALLABH SAHAY :** (*a*) and (*b*). Although the State as a whole has been affected due to failure of crop during the two years, the failure of crops in Manbhum was not so acute as in many other districts of the State. On the basis of reports received from the District Officers, 14 districts of the State were declared to be affected with distress but Manbhum was not among them. Even then instructions and orders of Government have been issued to all District Officers including the Deputy Commissioner, Manbhum to combat scarcity and to give relief to the people in distress and scarcity affected areas and their orders and instructions are applicable to the district of Manbhum as well.

श्री देवेन्द्र नाथ मेहता—क्या यह बात सही है कि झालदा थाने के कुछ गांवों में बाढ़ आने की वजह से फसल नहीं हो सकी ?

माननीय श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—इस संबन्ध में सरकार के पास कोई रिपोर्ट नहीं है। लेकिन सरकार डिप्टी कमिश्नर का ध्यान इस ओर आकर्षित कर देगी।

---

पहाड़ी इलाकों में पानी की कमी।

*१६४। श्री गुप्तनाथ सिंह—क्या माननीय मंत्री, कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि अधौरा और चैनपुर थानों के पहाड़ी इलाकों के आदिवासियों के लिए पानी पीने के कुएं नहीं है जिससे उन्हें अपार कष्ट होता है और रोगाक्रांत बने रहते हैं;

(ख) क्या यह बात सही है कि उक्त इलाकों के आदिवासी, जो अत्यन्त निर्धन हैं, पथरीली भूमि में कुएं खुदवाने में सर्वथा असमर्थ हैं;

(ग) यदि खंड (क) और (ख) के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त इलाकों के प्रत्येक गांव में कम से कम एक कुआं खुदवाने की व्यवस्था तत्काल करेगी ?

माननीय श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—(क) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(ख) वहाँ के आदिवासियों के लिए कुआं खुदवाना दुष्कर है ।

(ग) सरकार इसपर विचार करेगी । अघोरा में एक कुआं खुदवाने की स्वीकृति सरकार ने दे दी है । अघोरा थाना के लिए एक कुआं खोदने के लिए सरकार ने पाँच हजार रुपये की स्वीकृति दे दी है लेकिन कुआं नहीं खोदा जा सका । वहाँ पर कुआ खोदने में दिक्कत होती है ।

श्री गुप्तनाथ सिंह—अघोरा में कुआं बनवाने की स्वीकृति सरकार ने कब दी है ?

माननीय श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—तारीख तो नहीं बता सकते चूंकि रिपोर्ट में तारीख नहीं है । कुआं बनवाने में दिक्कत होती है, लेकिन कुआं बनवाने की चेष्टा सरकार करेगी ।

श्री गुप्तनाथ सिंह—सरकार ने उस इलाके में कितना कुआं खोदने की योजना बनाई है ?

माननीय श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—पहले एक कुआं बन जाय और उससे पानी निकले तब और कुएं बनवाने की आवश्यकता पर विचार किया जायगा । मैं माननीय सदस्य के साथ उस क्षेत्र में जाऊंगा और देखूंगा कि कहाँ पर कितने कुएं बनाने की आवश्यकता है ।

---

STIPEND TO THE BACKWARD STUDENTS.

*166. **Shri DEVENDRA NATH MAHTA :** Will the Hon'ble Minister in-charge of Welfare Department be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that stipends to some of the backward students reading in colleges have been granted by the Backward Stipend Committee, a few months back ;

(*b*) whether it is a fact that some of the students have been paid in some colleges and many are still not in receipt of their stipends though granted ;

(*c*) if the answer to clauses (*a*) and (*b*) be in the affirmative what is the reason for this delay and trouble to the poor students ?

**The Hon'ble Shri KRISHNA BALLABH SAHAY :** (*a*) Yes.

(*b*) Many students have been paid their stipends. Only a few students are to be paid.

(*c*) Due to change of control of colleges from Government to Universities some of the Treasury Officers required authority from Accountant-General, Bihar which has been obtained and communicated to them. It is hoped all students will be paid in time.